माँ गंगे शिव शंकर रेल तीर्थयात्रा (रजि0)ऋषिकेश

(संस्थापक–स्व0 लाला जगदीश प्रसाद अग्रवाल)

दीपक अग्रवाल–09412050468, 09411385668, 0135-2436668

श्रीलंका (रामायण यात्रा)

अशोक वाटिका, सिगिरिया, कैंडी, नुवाराएलिया

यात्रा अवधि : 06 दिन (दिल्ली से फ्लाईट द्वारा)

यात्रा प्रारंभ :14 सितम्बर, 01 दिसम्बर 2026 एवं 04 फरवरी 2027

दिन	स्टेशन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	कोलम्बो	दिल्ली एयरपोर्ट से कोलम्बो एयरपोर्ट के वास्ते प्रस्थान।
	निमांगो	श्रीलंका का विश्व प्रसिद्ध भगवान मुरुगन (कार्तिकेयजी) मंदिर दर्शन।
	चिलाव	मुनिश्वरम (भगवान शंकर मन्दिर-श्री रामचन्द्र जी द्वारा स्थापित श्रीलंका में पहला मन्दिर।)
	जयवर्धनेपुर	मानावरी मन्दिर (भगवान शंकर मन्दिर-श्री रामचन्द्र जी द्वारा स्थापित श्रीलंका में दूसरा मन्दिर।)
	मैत्री	श्रीलंका नैशनल मैत्री अभयारण्य में हाथी सफारी।(रात्रि विश्राम-सिगिरिया)
दूसरा दिन	सिगिरिया	अलोकिक रावण महल, पुष्पक विमान स्थल, सिगिरिया रॉक, रावण कैनाल, मंदोदरी स्नान तालाब, रावण म्यूजियम। (अलोकिक रावण महल के चारों ओर की परिक्रमा स्वयं ऑटो के द्वारा)
	ट्रिंकोमाली	ट्रिंकोमाली बीच भ्रमण, डियर पार्क, कोनेश्वर मन्दिर दर्शन (भगवान शंकर मन्दिर-श्री रामचन्द्र जी द्वारा स्थापित श्रीलंका में तीसरा मन्दिर।), रावण वेटू (जहां भगवान शंकर द्वारा रावण को एक शक्तिवान तलवार दी थी जिसका शक्ति परीक्षण से पहाड़ के दो टुकडे देखने को मिलेंगे) रावण युद्ध परीक्षण भूमि। शक्तिपीठम मन्दिर दर्शन-शंकरी देवी (इंद्रक्षी देवी-51 शक्ति पीठों में से एक, यहां माता सती की दांये पैर की पायल गिरी थी), विनायक मन्दिर दर्शन, लक्ष्मीनारायण मन्दिर दर्शन। (रात्रि विश्राम ट्रिंकोमाली)
तीसरा दिन	मातले	श्रीलंका की अर्थव्यवस्था का आधार मसालों व जड़ी बूटियों के गार्डन का भ्रमण।
	कैन्डी	कैन्डी सिटी भ्रमण-जैम्स म्यूजियम, श्रीलंका का सांस्कृतिक कार्यक्रम, कैन्डी झील अवलोकन, बौद्ध मन्दिर दर्शन। (रात्रि विश्राम कैन्डी)
चौथा दिन	सीलॉन	टी प्लांटेशन, टी गार्डन, टी फैक्ट्री (यहां पर चाय का निर्माण का पूरा प्रोसेस दिखाया जाता है।)
	रामबोड़ा	पंच वॉटर फॉल अवलोकन, हनुमान मन्दिर दर्शन।
	नुवाराएलिया	108 शिवलिंग मन्दिर (मेघनाथ तपस्वी भूमि), महागुरुजी म्यूजियम, गुरुपीठम, गायत्री पीठम। (श्रीलंका का कश्मीर)
	दिवुरम्पोला	अग्नि परीक्षा स्थल (इस पवित्र भूमि पर माता सीता ने अपने सतीत्व की अग्नि परीक्षा दी। सीता माता का आध्यात्मिक ऊर्जा मन्दिर। (रात्रि विश्राम नुवाराएलिया)
पांचवां दिन	सीताएलिया	विश्व प्रसिद्ध माता सीता मन्दिर, हनुमान पदचिन्ह, हनुमान सीता मिलन स्थल, सीता नदी (इस स्थल पर माता सीता ने हनुमान जी को अजर-अमर होने का वरदान दिया), सुदर झील अवलोकन।
	कोलम्बो	विभीषण मन्दिर, अंजनेयार मन्दिर, पंचमुखी हनुमान मन्दिर, शनिदेव मन्दिर। (रात्रि विश्राम कोलम्बो)
छठवां दिन	कोलम्बो	कोलम्बो एयरपोर्ट से दिल्ली के वास्ते प्रस्थान एवं मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समाप्त।

-------श्रीलंका विदेश यात्रा के नियम एवं सुविधाऐं-------

यात्रा किरायाः चाय-नाश्ता, भोजन, होटल, डीलक्स बस, हवाई यात्रा (दिल्ली से कोलम्बो एवं कोलम्बो से दिल्ली), वीजा का किराया **72999/-** रूपया प्रति यात्री होगा तथा यात्रा की सदस्यता हेतु अग्रिम धनराशि **35000/-** रूपया प्रति यात्री जमा करानी होगी एवं शेष धनराशि यात्रा प्रारम्भ से **15** दिन पूर्व जमा करानी अनिवार्य होगी।

विशेष सूचना : यदि कोई यात्री किसी भी कारणवश बुकिंग के उपरान्त यात्रा कैंन्सिल करता है तो जमा की राशि वापस नहीं की जाएगी।

भोजन एवं चाय नाश्ता सुविधाः श्रीलंका यात्रा में दोनों समय शुद्ध शाकाहारी भोजन एवं सुबह चाय-नाश्ते की व्यवस्था होटल में कम्पनी के मैन्यू द्वारा रहेगी।

शयन सुविधाः रात्रि विश्राम के लिए अच्छे बजट होटल में ए.सी. डबल बैड रुम का प्रबन्ध किया जाएगा। जिसमें अटैच लैट बाथ होंगे। चैकइन व चैक आउट स्थानीय होटल के नियमानुसार रहेगा। यदि कोई यात्री सिंगल रुम लेना चाहता है तो उसे **12000/-** रूपया अतिरिक्त देना होगा।

परिवहन सुविधाः ए.सी. बस अथवा ए.सी. टैम्पो ट्रैवलर से यात्रा रहेगी। ए.सी. की सुविधा केवल चलती बस में रहेगी।

वीजा सुविधाः श्रीलंका यात्रा के लिए वीजा अप्लाई करने और उसका अप्रूवल मिलने का पूरा खर्चा यात्रा किराए में सम्मिलित है।

हवाई यात्रा से जुडी जानकारी : चैक इन बैग अधिकतम **20** किलो हैंड बैग अधिकतम **07** किलो। पावर बैंक केवल हैंड बैग में रखें। कैंची, नैलकटर, चाकू, नारियल आदि सामान फ्लाईट में ले जाना मना है। यात्रियों को अपने बोर्डिंग पास एयरपोर्ट पर चैकिंग के दौरान मिलेगा। यात्रा के दिन फ्लाईट रवाना होने से तीन घंटे पहले संबंधित टर्मिनल पर संस्था के प्रतिनिधि से मिलें। हवाई यात्रा के नियम निर्धारित अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार ही होंगे।

आवश्यक दस्तावेजः यात्रा के लिए पासपोर्ट की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है। पासपोर्ट की वैद्यता यात्रा की तिथी से कम से कम **6** महीने शेष होनी चाहिए। यात्रियों को हमेशा अपना मूल पासपोर्ट, वीजा एवं ई-टिकट साथ रखना होगा। वैद्य दस्तावेज न होने पर बोर्डिंग की अनुमति नहीं होगी और यात्रा का शुल्क वापस नहीं होगा। बुकिंग के पश्चात पासपोर्ट की आगे-पीछे की व ओरियंटेशन पेज की कॉपी व्हाटसअप **(9412050468)** पर भेजनी होगी।

विशेष नोटः श्रीलंका में आगमन के पश्चात आप एयरपोर्ट पर अपनी आवश्यकता के अनुसार स्वयं के खर्चे पर स्थानीय रुपया (मुद्रा) और सिम कार्ड ले सकते हैं।

-------यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है-------

1. मौसम की खराबी, बस/प्लेन के विलम्ब अथवा स्थानीय कारणों जैसे त्योहार, सामायिक अवसर, बंद आदि के कारण कुछ स्थलों के दर्शन संभव नहीं हो पाते हैं, एसी स्थिति में कार्यक्रम में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है। यात्रियों के हित व सुविधा के लिए कुछ परिवर्तनों में धैर्य एवं सहयोग बनाए रखें। यात्राओं के दौरान परिस्थितियों की वजह से कार्यक्रम के समय व मार्ग में परिवर्तन आ सकता है। समिति के प्रबन्धक यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देगें फिर भी यात्रा में असुविधा होना स्वाभाविक है अतः उस समय तपस्या की भावना से उसे सहन करें व प्रबन्धक को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
2. संक्रामक रोगी, अनुचित व्यवहार करने वाले व अस्वस्थ यात्री को यात्रा से प्रथक करने का पूर्ण अधिकार प्रबन्धक के पास रहेगा व समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र ऋषिकेश रहेगा।
3. यदि कोई यात्री किसी भी कारणवश या अस्वस्थ होने की वजह से यात्रा अधूरी छोडेगा तो वाहन की व्यवस्था एवं उसका खर्च यात्री की स्वयं की जिम्मेदारी होगी एवं उसको यात्रा का जमा किराया किसी भी अवस्था में वापस नहीं लौटाया जाएगा।
4. दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क, ऑटो, बोटिंग, रोपवे, पूजा अभिषेक एवं स्पेशल दर्शन का चार्ज यात्री को स्वयं देना होगा।
5. यात्रियों के साथ में टूर मैनेजर रहेगा वह समय-समय पर मार्गदर्शन करता रहेगा एवं टूर मैनेजर के मार्गदर्शन में चलना होगा। यात्रियों को समय पर पाबन्द रहना होगा कोई भी यात्री देरी से पहुंचता है तो अगले गन्तव्य पर स्वयं के खर्चे से पहुंचना होगा। बसें निर्धारित स्थलों की पार्किंग तक ही जाऐंगी वहां से दर्शनीय स्थलों की दूरी बहुत कम रहती है, यात्री स्वयं के खर्चे पर पैदल या रिक्शे द्वारा जा सकते हैं।
6. अपने सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत बीमारी, दुर्घटना या मूल्यवान वस्तुओं के नुकसान की जिम्मेदारी समिति की नहीं होगी।
7. मुद्रण में किसी भी प्रकार की त्रुटि के वास्ते क्षमा करें।

माँ गंगे शिव शंकर रेल तीर्थयात्रा (रजि0) ऋषिकेश

दीपक अग्रवाल-09412050468, 09411385668, 0135-2436668